



विषय—प्रारम्भिक हिन्दी

कक्षा—10

खण्ड—अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

पूर्णांक—20

- | | | |
|----|---|----------------------------|
| 1. | हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल युग एवं शुक्लोत्तर युग) | 5×1=5 |
| 2. | हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) | 5×1=5 |
| 3. | हिन्दी व्याकरण—
(क) समास—बहुब्रीहि, कर्मधारय ।
(ख) पर्यायवाची शब्द
(ग) विपरीतार्थी शब्द
(घ) तद्भव एवं तत्सम शब्द
(ङ) वाक्यांश के लिए एक शब्द | 01
01
01
02
01 |
| 4. | संस्कृत व्याकरण—
सर्वनाम—तद्, युष्मद् | 01 |
| 5. | वाक्य का स्वरूप | 1×1=1 |
| 6. | वाच्य— प्रयोग और वाच्य परिवर्तन | 1×1=1 |
| 7. | पद परिचय— विकारी एवं अविकारी शब्द | 1×1=1 |

खण्ड—ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

पूर्णांक—50

- | | | |
|----|--|----------------------------|
| 1. | गद्य खण्ड के लिए निर्धारित पाठ्यवस्तु से गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्न | 3×2=6 |
| 2. | पद्यखण्ड के लिए निर्धारित पाठ्यवस्तु से पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्न | 3×2=6 |
| 3. | (क) निर्धारित गद्यखण्ड के पाठ्यवस्तु से सम्बन्धित लेखकों का जीवन परिचय एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ ।
(ख) निर्धारित पद्यखण्ड के पाठ्यवस्तु से सम्बन्धित कवियों का जीवन परिचय उनकी प्रमुख रचनाएँ | 3+2=05
3+2=05 |
| 4. | (क) संस्कृत गद्यांश का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद ।
(ख) संस्कृत पद्यांश का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद । | 2+3=05
2+3=05 |
| 5. | संस्कृत खण्ड के पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्नों से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर । | 2+2=04 |
| 6. | काव्य सौन्दर्य के तत्व—
(क) रस—हास्य एवं करुण रस (परिभाषा, लक्षण एवं उदाहरण)
(ख) छंद—दोहा, चौपाई (परिभाषा, लक्षण एवं उदाहरण)
(ग) अंलकार (अर्थालंकार) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा (परिभाषा, लक्षण एवं उदाहरण) | 2×1=02
2×1=02
2×1=02 |
| 7. | लोकोक्ति एवं मुहावरे (अर्थ एवं वाक्य प्रयोग) | 2×1=02 |
| 8. | निबन्ध रचना (वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, सामाजिक समस्याएं, स्वास्थ्य, शिक्षा पर्यावरण, जनसंख्या तथा यातायात नियम से सम्बन्धित विषयों पर आधारित प्रश्न) | 6×1=06 |

आन्तरिक मूल्यांकन—

पूर्णांक— 30

शैक्षिक सत्र 2024–25 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन

- | | | |
|--|-------------|--------|
| 1—प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा— (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा) | अगस्त माह | 10 अंक |
| 2—द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा—(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा) | दिसम्बर माह | 10 अंक |
| 3—चार मासिक परीक्षाएं | | 10 अंक |



- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
 - द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
 - तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह
 - चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह
- चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

निर्धारित पाठ्य वस्तु—

(क) गद्य हेतु—

मित्रता

ममता

भारतीय संस्कृति

अजन्ता

रामचन्द्र शुक्ल

जयशंकर प्रसाद

राजेन्द्र प्रसाद

भगवतशरण उपाध्याय

(ख) काव्य हेतु—

सूरदास

तुलसीदास

सुमित्रानन्दन पंत

रामनरेश त्रिपाठी

सुभद्रा कुमारी चौहान

पद

धनुष भंग, वन पथ पर

चींटी, चन्द्रलोक में प्रथम बार

स्वदेश प्रेम

झांसी की रानी की समाधि पर

(ग) संस्कृत हेतु—

पाठ— वाराणसी, भारतीयाः संस्कृतिः, जीवन—सूत्राणि, प्रबुद्धो ग्रामीणः, अन्योक्तिविलासः।